

ये अव्यक्त इशारे

महान बनने के लिए मधुरता और नम्रता का गुण धारण करो

20-04-2026

संस्कार वा नेचर तो हर एक की अपनी-अपनी है लेकिन सर्व का स्नेही और सर्व बातों में, सम्बन्ध में सफल, मन्सा में विजयी और वाणी में मधुरता तब आ सकती है जब ईज़ी नेचर हो। ईज़ी नेचर अर्थात् जैसा समय, जैसा व्यक्ति, जैसा सरकमस्टांश उसको परखते हुए अपने को ईज़ी कर देवे। ईजी अर्थात् मिलनसार, मोल्ड कर लेने वाला। ईजी माना अलबेला नहीं।

**Imbibe the virtues of sweetness and humility
to become great.**

The nature and sanskars of each of you are your own, but to be loving to all, to be successful in all your relationships and in everything else, to be victorious in your mind and have sweetness in your words is only possible when you have an easy nature. To have an easy nature means to make yourself easy by recognising the time, people and circumstances. To be easy means to be harmonious and able to mould oneself. Easy means not to be careless.